Amit

Que. भौगोलिक विश्लेषण में space, time और spatial Organisation की संकल्पना का वर्णन कीजिए।

" देशकाल रुपी दरवाजों से होते हुए ही विभिन्न इंद्रिया संवेदन (वाह्य जगत के कारण उत्पन्न) मानव मस्तिष्क में पहुँचते है, जहाँ बुद्धि के साँचो में ढलकर ये ज्ञान का रुप लेते है। अतः मानव ज्ञान सदैव space-Time सापेक्षी होता है तथा इसके अतिरिक्त और कुछ भी नहीं।"

— Kant

मानव मस्तिष्क की ये सीमा होती है कि वो समस्त ज्ञान को SPACE-TIME के सापेक्ष ही समझ और ग्रहण कर पाता है, इसके परे जाने की क्षमता उसमें नहीं है। चूँकि समस्त घटनाओं को वह SPACE-TIME के अन्तर्गत ही ग्रहण करता है इसलिए उसकी विचारधारा एवं ज्ञान में भी भूगोलविदों तथा अन्य विद्वानों ने space-Time तथा उससे उत्पन्न होने वाले spatial organisation को जोड़कर समझने का प्रयास किया। इसी संदर्भ में विभिन्न विद्वानों ने अपने-२ ढ़ंग से space-Time एवं spatial organisation को समझाने का प्रयास किया है। हिन्दी में Time-काल या समय तथा space का अर्थ भूविन्यास के समकक्ष होता है।

आधुनिक विश्व में space-time पर प्रारंभिक विचार Euclid महोदय ने रखा था जिन्होंने देशकाल को अलग-अलग माना तथा उसे space-time के रुप में संबोधित किया।

Newton महोदय ने बताया कि ये सदैव एक दूसरे के context में ही होते हैं एवं इनकी स्वतंत्र सत्ता (निरपेक्ष रुप में) नहीं होती है। ऐसा उन्होंने इसलिए भी कहा क्योंकि space तथा time दो ऐसे तथ्य हैं जो अनंत हैं एवं असीमित विस्तार लिए हुए हैं।

Albert आइंस्टाइन महोदय ने एक कदम और आगे बढ़ते हुए समय तथा भूविन्यास को अविभाज्य माना।

रेने थाम (1965) ने जहाँ ये कहा कि हम space-time phenomena को एक term के रुप में ही समझ सकते है वहीं मार्टिन हेग के अनुसार प्रकृति space-time को एक साथ लेते हुए ही परिवर्तित होती है।

Space के सम्बन्ध में विभिन्न विद्वानों के विचार एवं उनकी व्याख्या :—

Ⓐ Hartshorne (1939) :—

" जहाँ space एक आधारभूत संकल्पना हो वहाँ भूगोल को science of distribution के स्थान पर Chorology के रुप में ही परिभाषित किया जाना चाहिए और इस रुप में space विभिन्न विचारों का कार्यात्मक एकीकरण स्वरुप बन जाता है।"

उपरोक्त वाक्यों में Chorous शब्द अनेकता के बावजूद एकता, एक सत्ता के होने का आभास तथा उसमें पूर्णतारतम्यता की स्थिति का निरुपण।

" Geo. should be defined as 'Chorology' rather than "Science of distribution" where space is the fundamental concept.

करता है। यहाँ तारतम्यता (Interrelatedness) से अर्थ मानव तथा प्रकृति के com-bination से बने अन्तर्सम्बद्धता से है।

Man ← Nature
Man → Nature
Man ←---- Nature
Man ----→ Nature

(B) Schaefer (1955) :—

"Spatial relations are ones that matter in geography nothing else." उपरोक्त कथन में स्पेस नहीं अपितु function of space का वर्णन किया गया है इसलिए spatial relation शब्द को प्रयुक्त किया गया। इससे हम space एवं function में विद्यमान सीमा का निर्धारण या उनकी पहचान करते हैं।

(C) Association of geographical volume में कहा गया है कि भूविन्यासिक अन्तर्सम्बंधों को ही भूगोल का आधार माना जाए न कि space या भूविन्यास को निरपेक्ष रूप से स्वीकार किया जाए।

(D) D. Whittlesey (1954) :—

"space is the basic organising concept of geography but this solves nothing." उपरोक्त विचार से यह संकेत मिलता है कि space स्पष्टतः सीमांकित होना चाहिए तथा उसी अर्थ में वो प्लेस होता है। यहाँ लिखित 'this solves nothing' का प्रयोग विचारों में विद्यमान वास्तविक पीड़ा को समझने के लिए किया गया है। इसका अर्थ यहाँ नकारात्मक नहीं है क्योंकि space हमारी प्रत्यक्ष समस्या नहीं है अपितु विभिन्न समस्याओं के हल की खोज ही चिंता का विषय है।

(E) James Blaut (1961) :-

"Space is not a unitary concept but it can be used at different level. i.e. (a) Absolute space : Physically distinct entity.
(b) Relative space : Relational."

उपरोक्त तथ्य में "Physically distinct" के माध्यम से सीमा या boundary के माध्यम एक के महत्व को बताया गया है तथा Relative space दूसरे के संबंध में व्याख्या में आता है निरपेक्ष रूप में नहीं।

ग्राहम चैपमैन (1977) महोदय ने "Environmental Symptoms" नामक अपनी कृति में "process relation शब्द का प्रयोग किया है जिसके अनुसार जब हम एक को दूसरे से जोड़ने का प्रयास करते हैं तो वहीं Relative space एक प्रक्रिया के रूप में निरुपित हो जाता है।

(F) Sack (1980) :-

Space एक साधन की तरह होता है पर जैसे ही साध्य की प्राप्ति होती है साधन की शेष याद भी खत्म हो जाती है। हम उसे हमेशा के लिए अपने साथ नहीं रखते अपितु प्राप्त करते और छोड़ते जाते हैं।

Occuring in space :→

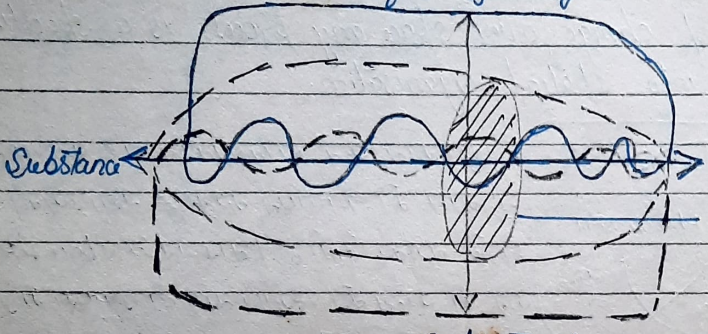

Where (Location)	How (Process)	Whose (Causal Elements)
----	physical science domain	
----	Atistic domain	
----	social science domain	

} यहाँ objectivity & Subjectivity के लिए Basic frame की आवश्यकता होती है पर मानवीय संवेदना के साथ ही ऐसा संभव होता है निरपेक्ष रूप से नहीं। एक समय से दूसरे समय में यह यथारूप में ही स्थानान्तरित हो जाता है।

Parts of space →

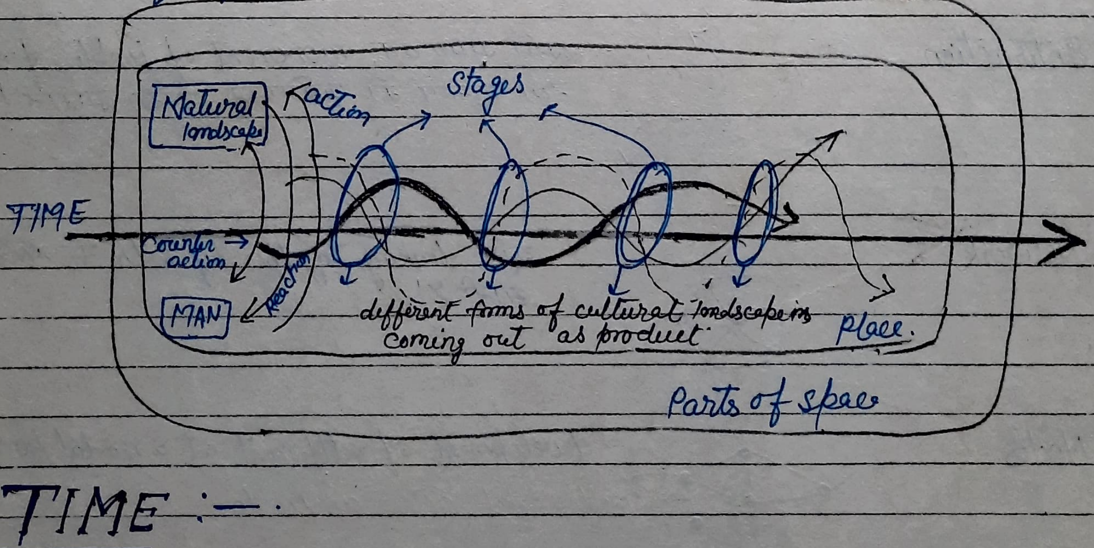

TIME :-

भूगोल में अध्ययन पद्धति में x तथा y axis को आधार माना जाता है इसके साथ-साथ एक z axis का भी स्थान होता है जो घटित होती प्रक्रियाओं के समय का सूचक है।

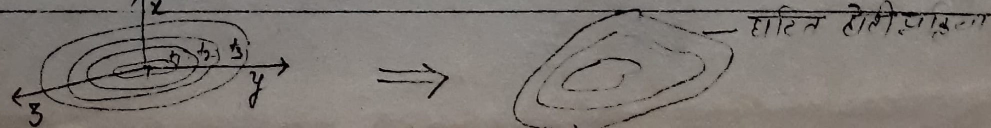

घटित होती घटनाएँ एक chain reaction का निरूपक होती हैं; जैसे -

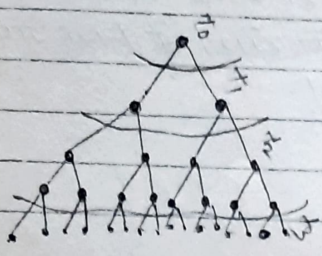

Time is the media of change over space any process is a spacetime - process which results into spatial organisation.

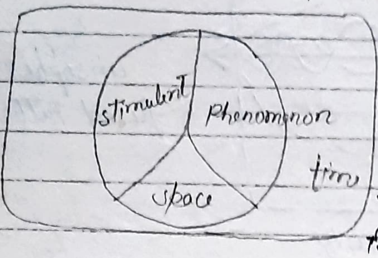

भूतकाल एवं भविष्यकाल की सीमा ही वर्तमान काल को निरूपित करती है तथा इसकी अवधि न के बराबर होती है। वास्तव में space और time एक ही सत्य को दिखाने वाले दो आपस में अंतर्सम्बन्धित दायरे हैं।

Spatial Organisation :—

फैलाव या परिवर्तन की समय सापेक्ष प्रवृत्ति के परिणामस्वरूप किसी space में विद्यमान तत्व / तत्वों एवं उसका वर्तमान स्वरूप Spatial Organisation कहलाता है। सरल शब्दों में कहें तो समय के संदर्भ में भूविन्यास का वर्तमान स्वरूप spatial organisation कहलाता है।

Peter Haggett (1977) महोदय ने 6 चरणों में spatial organisation की प्रक्रिया को स्पष्ट किया है :—

① Interaction

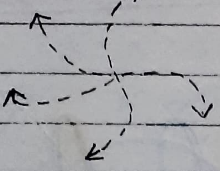

इसमें सामान्यतः movement of people, finance तथा सूचना को सम्मिलित किया जाता है।

② Network

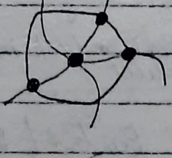

इसमें linking together by path की प्रक्रिया आती है।

③ Nodes.

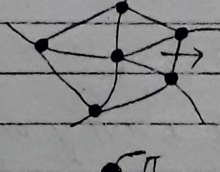

development of settlement at a nodal point.
→ Small market acts as node.

④ Hierarchies

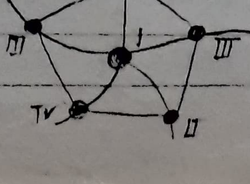

layer, levelling and grades linked in chain

⑤ Surfaces:

formation of influence zone by each centre

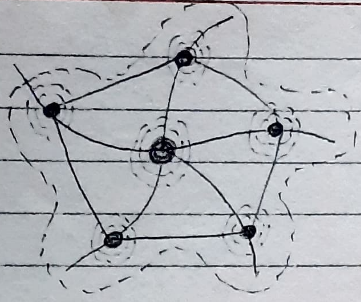

⑥ Diffusion: Time depends resulting to change and spread of phenomenon

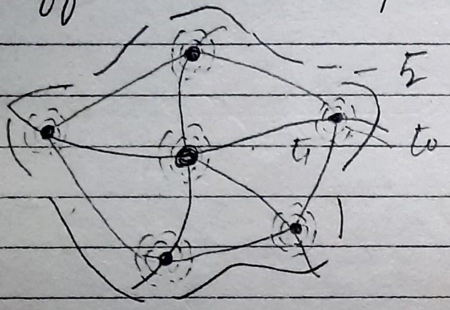

समय एवं घन होने पर भूवैन्यासिक संगठन में विशिष्टीकरण होता है। जब कोई कार्य समय सापेक्ष प्रारंभ होता है तो उसमें अपनी चरमावस्था में Diffusion होता है।